

माता के दर-चलो, होड़ के डर-चलो
 सभी दोटे, बड़े, साथ हिल-मिल-चलो
 अपनी दाती को, हम मनायेंगे
 होड़ो रे लंगुरिया अपने करम
 भजन भाव से हो जा नरम

दाती को पुकारो सब होड़ो शरम
 चढ़ो रे चढ़ाई नहीं डारो थको तुम
 बोलो कम, बोलो कम, बोलो कम, कम कम

होड़ो रे लंगुरिया----- भजन भाव से-----
 दाती को पुकारो----- चढ़ो रे-----
 हँसत-हँसत चल-

हँसत-हँसत चल, माता की दुआरिया
 प्यार से पुकारो. दाती लेतीं हैं खबरिया
 ओढ़े हैं हमारी माता लाल चुनरिया
 बोलो कम, बोलो कम, बोलो कम कम कम

होड़ो रे लंगुरिया----- भजन भाव से-----
 दाती को पुकारो----- चढ़ो रे चढ़ाई-----
 माता के दर-चलो-----

रेंसे दिल हार के उदास मत हो
 माता ने जगाया तो चलायेगी भी वो
 हर पल होती मुलाकात जिनसे
 मुक्ति का वर भी मिलेगा उनसे
 बोलो कम-बोलो कम-बोलो कम कम कम
 होड़ो रे लंगूरिया----- भजन भाव-----
 दाती को पुकारो ----- चढ़ो रे चढ़ाई---
 माता के दर चलो-----

जिस पल दाती दया बरसायेगी
 जन्मों की खाली झोली भर जायेगी
 दुखड़े मिटाने दाती दौड़ी आयेगी
 "श्रीबाबाश्री" की चाह बढ़ जायेगी...
 बोलो कम-बोलो कम-बोलो कम कम कम
 होड़ो रे लंगूरिया----- भजन भाव-----
 दाती को पुकारो --- चढ़ो रे चढ़ाई---